पटना विश्वविद्यालय
Patna University
Estd. 1917

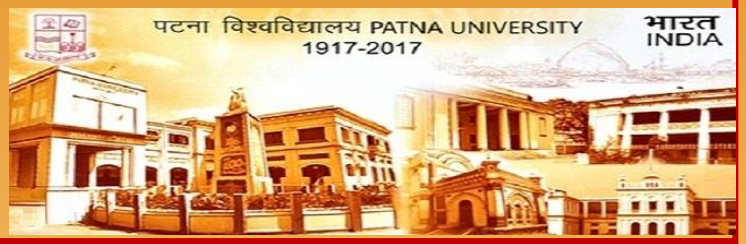

Patna University In News (29.03.2023)

दैनिक भास्कर

पटना विश्वविद्यालय के सत्र 2019-20 एवं 2020-22 के छात्र-छात्राओं को मिली पीजी की डिग्री, पीएचडी की भी उपाधि दी गई

राज्यपाल बोले: व्यवस्था बदले, शिक्षा नौकरी के लिए नहीं समाज के लिए हो

एजुकेशन रिपोर्टर | पटना

पटना विश्वविद्यालय में मंगलवार को बेटियों ने गौरवांवित किया। पिछले दो सत्रों में 79 में 52 गोल्ड मेडल छात्राओं को प्रदान किए गए। साथ ही सत्र 2019-2020 एवं 2020-22 के दो हजार पीजी और 98 पीएचडी छात्र-छात्राओं को राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर और आईआईटी के निदेशक प्रो. टीएन सिंह के द्वारा डिग्री प्रदान की गयी। डिग्री पाते ही छात्र-छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस यादगार पल को वे संजोने में लग गये। जमकर फोटोग्राफी और सेल्फी का माहौल पटना वीमेंस कॉलेज के नये सभागार में देखने को मिला।

इस मौके पर मुख्य अतिथि राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में एक अमूलचूल बदलाव की जरूरत है। शिक्षा पद्धति ऐसी हो कि वह नौकरी के लिए नहीं बल्कि समाज के लिए हो। आज शिक्षा को सिर्फ नौकरी पाने का माध्यम मान लिया गया है। नौकरी देने वाला बनें न कि नौकरी मांगने वाला। उन्होंने कहा कि बच्चों में उल्लास है, एक उत्साह है जो ऐसे मौकों पर होना भी चाहिए। आने वाले कल के लिए छात्रों के मन में उम्मीदें हैं। आप विश्व में पदार्पण करने जा रहे हैं। बाहर की दुनिया बहुत चैलेंजिंग है। इसलिए यहां से जरूर कुछ सीखकर जाना है। आपके बर्ताव से ही सामने वाले को पता चल जाये कि ये पटना विश्वविद्यालय का छात्र है। जैसे आर्मी, नेवी या एयरफोर्स के लोगों को देखकर ही पता चल जाता है, वे कहां से हैं। उनका स्वभाव व्यवहार ही हमें सबकुछ बता देता है।

79 स्टूडेंट्स गोल्ड मेडलिस्ट, इनमें 52 बेटियां

समारोह में बाएं से आईआईटी निदेशक प्रो टीएन सिंह, कुलपति प्रो. गिरीश कुमार चौधरी, राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर व प्रो वीसी एके सिंह।

कंफर्ट जोन से निकलें : प्रो टीएन सिंह

दीक्षांत भाषण देते हुए आईआईटी के निदेशक प्रो टीएन सिंह ने कहा कि कंफर्ट जोन से निकलें, यह आपको और अधिक अवसर देगा। नो पेन नो गेन। अनुशासित होना जरूरी है। शिक्षा के क्षेत्र में कई चुनौतियां हैं हमें उसे ध्यान में रखते हुए भी आगे बढ़ना है। चुनौतियों को स्वीकार करना है। इतिहास को पढ़ें और उससे सीख लें।

विवि में शोध कार्यों को दिया जा रहा बढ़ावा

विवि के कुलपति प्रो. गिरीश कुमार चौधरी ने कहा कि शिक्षकों द्वारा 112 रिसर्च प्रोजेक्ट विभिन्न फंडिंग एजेंसी को जमा किया गया है। दर्जनभर से अधिक स्वीकृति विवि को प्राप्त हुए हैं। मौके पर प्रधान सचिव रॉबर्ट एल चौंगथू, शिक्षा विभाग के सचिव बैद्यनाथ यादव, प्रतिकुलपति प्रो अजय कुमार सिंह, स्टूडेंट्स वेलफेयर डीन प्रो. अनिल कुमार, प्रॉक्टर प्रो. रजनीश कुमार, कुलसचिव प्रो. खगेंद्र कुमार आदि मौजूद थे।

टॉपर्स से बातचीत

अलिका नजफी ने डिपार्टमेंट ऑफ बॉटिनी से 2022 में पीजी क्लियर किया है। आगे बॉटिनी से पीयू से ही पीएचडी करना चाहती हैं। अलिका कहती है कि आज मैं ये सर्टिफिकेट और गोल्ड मेडल पाकर बहुत खुश हूं।

प्रज्ञा प्रसून ने पीएमआईआर से आर्ट्स में मास्टर्स किया है। उनकी कोर्स 2021 में पूरी हुई। फिलहाल वो ओडिशा में नौकरी कर रही हैं। प्रज्ञा कहती है कि उनका सफर पटना यूनिवर्सिटी से काफी अच्छा रहा। उनकी ग्रेजुएशन भी पीडब्लूसी से हुई है।

मानसी सिंह ने मास्टर ऑफ आर्ट्स इन साइकोलॉजी 2022 में पूरा किया। आगे चलकर वो थेरेपिस्ट बनना चाहती हैं। मानसी ने मगध महिला कॉलेज से ग्रेजुएशन किया है। इसके बाद आगे पीएचडी करना चाहती हैं।

रूक्सार समरीन ने 2021 में पीजी मास्टर ऑफ आर्ट्स इन साइकोलॉजी किया। आगे वो पीएचडी करना चाहती हैं। अपनी पीएचडी वो आईआईटी से करना चाहती हैं। वो जो कुछ भी हैं अपने पिता की वजह से हैं।

शुभलक्ष्मी अश्विनी कर्ण ने 2021 में मास्टर ऑफ आर्ट्स इन हिस्ट्री से पीजी किया है। नेट कर चुकी हैं। वो असिस्टेंट प्रोफेसर बनना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि कॉलेज का सफर बहुत अच्छा रहा। शिक्षकों ने मदद की।

कनिका राज राजनीति विज्ञान में सेकेंड टॉपर बनीं। पटना विवि से पीजी करने के बाद जेआरएफ के साथ नेट पास की और फिलहाल बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर केंद्रीय विवि, लखनऊ से पीएचडी कर रही हैं।

सलोनी कुमारी ने 2021में मास्टर ऑफ आर्ट्स इन ज्योग्राफी से पीजी किया है। इन्होंने अपना ग्रेजुएशन पीडब्लूसी से किया है। सलोनी अभी पीसीएस की तैयारी कर रही है और आगे उन्हें सिविल सर्विसेज में जाना है।

नीतीश कुमार ने 2022 में मास्टर ऑफ आर्ट्स इन ज्योग्राफी से पीजी किया है। आगे जाकर वो असिस्टेंट प्रोफेसर बनना चाहते हैं और इस साल पीएचडी के लिए नामांकन करेंगे। गोल्ड मेडलिस्ट होना बहुत सुखद अनुभूति है।

मनीष यादव ने रसायन विभाग में स्नातकोत्तर किया है। उन्हें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल के द्वारा डिग्री प्रदान की गई। अपने कॉलेज लाइफ में वो छात्रसंघ के अध्यक्ष भी रहे हैं। आगे शाध कर वो साइंटिस्ट बनना चाहते हैं।

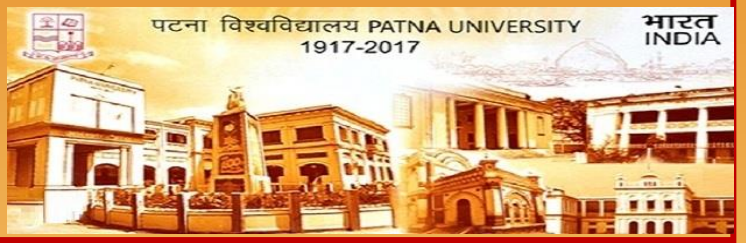

Patna University In News (29.03.2023)

दीक्षा में मिला अनुशासन, बंधन नहीं समझें मर्यादा : राज्यपाल

डिग्री के बाद बढ़ जाती है जिम्मेवारी, निर्णय लेने की क्षमता करें विकसित, सफलता के लिए स्वीकार करें चुनौती : निदेशक

जागरण संवाददाता, पटना : जीवन में सफल होने के लिए हर क्षेत्र में अनुशासन जरूरी है, आचरण एवं क्रियाकलापों से यह परिलक्षित होना चाहिए कि आपने एक प्रतिष्ठित संस्थान में विद्यार्जन किया है। अनुशासन के बगैर कुछ भी संभव नहीं है। अनुशासन का अर्थ बंधन नहीं, बल्कि मर्यादा होता है और हमें इसका पालन करना चाहिए। आपका अनुशासित व्यवहार, बर्ताव, चाल-चलन बता देगा कि आप 106 साल पुराने विश्वविद्यालय के विद्यार्थी हैं। उक्त बातें मंगलवार को पटना विश्वविद्यालय के दीक्षा समारोह में राज्यपाल सह कुलाधिपति राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने दीक्षा भाषण में कहीं। इसका आयोजन पटना वीमेंस कालेज में अत्याधुनिक वेरानिका आडिटोरियम में किया गया था।

उन्होंने कहा कि उपाधि प्राप्त करने के बाद आपकी जिम्मेवारी बढ़ेगी। अब अकेले निर्णय लेने की क्षमता विकसित करनी होगी। माता-पिता और शिक्षक का मार्गदर्शन कदम-कदम पर नहीं मिलेगा। डिग्री का मतलब यह नहीं कि खुद के लिए काम करना है, बल्कि इसका सही मायने होता है समाज को कुछ न कुछ देना है। कुलपति ने मंच संचालन कर रहे कार्यवाहक कुलसचिव प्रो. खगेंद्र कुमार का नाम अपने संबोधन में लिया, वहीं कुलाधिपति ने कुलसचिव प्रो. रविनंदन नाथ ओझा का नाम लिया।

पटना वीमेंस कालेज में पटना विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह में गोल्ड मेडल मिलने के बाद उत्साहित छात्र व छात्राएं • जागरण

चुनौती स्वीकार नहीं करेंगे तो जीवन अर्थपूर्ण नहीं होगा

दीक्षा समारोह में विशिष्ट आइआइटी पटना के निदेशक प्रो. टीएन सिंह ने कहा कि डिग्री प्राप्त करने के बाद चुनौती बढ़ जाती है। चुनौती स्वीकार नहीं करेंगे तो जीवन अर्थपूर्ण नहीं होगा। हमारे दिमाग में यह रहना चाहिए कि हर घर में बिजली, पीने का पानी, स्वास्थ्य सुविधाएं कैसे सहज तरीके से उपलब्ध हो, हम विचार करेंगे तो आगे बढ़ेंगे और आगे बढ़ेंगे तो मंजिल मिल ही जाएगी। उन्होंने स्टार्टअप और स्वरोजगार की असीम संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला।

दो साल में 1000 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित

कुलपति प्रो. गिरीश कुमार चौधरी ने दीक्षा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि समारोह में एक जनवरी से 31 दिसंबर 2022 तक पीजी, पीजी डिप्लोमा व पीएचडी में उत्तीर्ण लगभग चार हजार छात्र-छात्राओं को उपाधि से अलंकृत किया गया। इसमें सत्र 2019-21 व सत्र 2020-22 में उत्तीर्ण तीन हजार 725 तथा 98 शोध छात्र शामिल हैं। स्नातकोत्तर के दोनों सत्र में कुल 79 गोल्ड मेडल प्रदान किए गए हैं, इनमें से 52 छात्राओं ने प्राप्त किए। उन्होंने कहा कि पटना विश्वविद्यालय को नैक बी प्लस ग्रेड मिला है। इसे ए प्लस करने के लिए सभी स्तर पर काम किए जा रहे हैं।

नौकर बनने के लिए नहीं होनी चाहिए शिक्षा

राज्यपाल ने कहा कि हम वही पढ़ रहे हैं जो अंग्रेजों ने चाहा। गुलामी काल में अंग्रेज, नौकर बनाने के लिए शिक्षा पद्धति लाए थे। इसमें बदलाव की जरूरत है। शिक्षा का उद्देश्य समाज एवं देश की आवश्यकताओं के अनुरूप योग्य नागरिक तैयार करना होना चाहिए। मौके पर राज्यपाल के प्रधान सचिव राबर्ट एल चोंग्थू, शिक्षा विभाग के सचिव वैद्यनाथ यादव, प्रतिकुलपति प्रो. अजय कुमार सिंह, पूर्व कुलपति प्रो. रासबिहारी प्रसाद सिंह, पूर्व एमएलसी किरण घई, प्रो. एनके चौधरी, सीआइएमपी के निदेशक प्रो. राणा सिंह, सीनेट सदस्य पप्पू वर्मा, डा. नीतीश टम्टन आदि मौजूद थे।

पटना वीमेंस कालेज में पटना विश्वविद्यालय का दीक्षा समारोह में राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर छात्रों को पीएचडी की उपाधि देते हुए • जागरण

राज्यपाल से उपाधि प्राप्त कर काफी खुशी हो रही है। सिविल सेवा की तैयारी कर रही हूं। पटना विश्वविद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का बेहतर माहौल है और बेहतर करने के लिए अपडेट सिलेबस की जरूरत है।

बबी कुमारी, गोल्ड मेडलिस्ट

आइआइटी से पीएचडी की पढ़ाई पूरी करने का लक्ष्य है। इस साल नामांकन हो जाएगा। पढ़ाई काफी सोच-समझकर करने की जरूरत है। हमें उन्हीं का चुनाव करना चाहिए जिसमें तन-मन दोनों लगे।

सत्यजीत, गोल्ड मेडलिस्ट

कोविड में पापा हमलोगों को छोड़कर चले गए। उन्हीं की प्रेरणा से गोल्ड मेडल प्राप्त कर सकी। अच्छे अंक के लिए कितना देर पढ़ते हैं, यह मायने नहीं रखता है। मायने रखता है कि पढ़ने के बाद कितना सीखे। ध्यानपूर्वक पढ़ाई जरूरी है।

रुखसार सबरीन, गोल्ड मेडलिस्ट

पटना विश्वविद्यालय में पढ़ाई का माहौल बेहतर है। कई अच्छे शिक्षकों का मार्गदर्शन मिलता है। यहां शोध से संबंधित डाटाबेस सुविधा बढ़ाने की जरूरत है। आधुनिक सुविधाओं का अभाव गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में बाधा है।

लालसा भारती, गोल्ड मेडलिस्ट

दैनिक जागरण

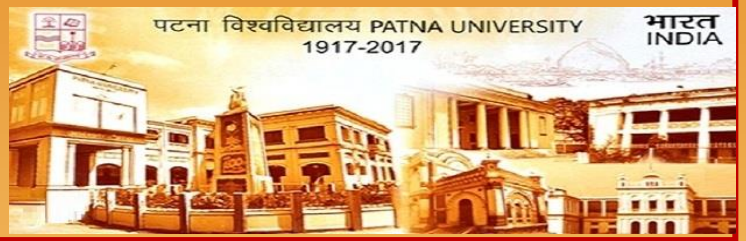

Patna University In News (29.03.2023)

Hindustan Times

Governor at PU convocation

Governor Rajendra Vishwanath Arlekar honours a student during the annual convocation function of Patna University on Tuesday. Arlekar said the main objective of education should be to develop competent citizens to suit the needs of the country. SANTOSH KUMAR/HT PHOTO

दैनिक भास्कर

पटना वीमेंस कॉलेज को नैक की ओर से तीसरी बार मिला ग्रेड ए का खिताब

पटना| स्नातक के विभिन्न पाठ्यक्रमों में सेमेस्टर सिस्टम को लागू करने वाले राज्य के पहले कॉलेज को नैक ग्रेडिंग में एक बार फिर बड़ी उपलब्धि हाथ लगी है। बात पटना वीमेंस कॉलेज की हो रही है। इस कॉलेज को तीसरी बार नैक ग्रेड ए का खिताब मिला है। ऐसा लगातार तीसरी बार हुआ है जब पटना वीमेंस कॉलेज को नैक ग्रेड ए का खिताब दिया गया। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद नैक की ग्रेडिंग जारी करता है। नैक ग्रेडिंग में कॉलेज को विभिन्न मापदंडों पर परखा जाता है। इसके लिए आइक्यूएसी के सदस्य नैक मूल्यांकन के लिए रिपोर्ट तैयार करते हैं। इस रिपोर्ट को नैक की आधिकारिक वेबसाइट पर डाला जाता है। इसके बाद राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद की टीम कॉलेज के विभिन्न संसाधनों और व्यवस्था का जायजा लेती है।